बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-433
01/09/2021

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खरीफ विपणन वर्ष 2021–22 के अंतर्गत धान अधिप्राप्ति हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा की

मुख्यमंत्री के निर्देश :–

- धान अधिप्राप्ति का कार्य ससमय शुरु होने से अधिक से अधिक धान की अधिप्राप्ति होगी और किसानों को इसका फायदा होगा।

- इस बार जो लक्ष्य निर्धारित करें उसका जिलावार, क्षेत्र के अनुसार वास्तविक आकलन करा लें क्योंकि हर क्षेत्र की अलग–अलग उत्पादन क्षमता है।

- धान अधिप्राप्ति की शुरुआत अलग–अलग जिलों में चरणबद्ध ढंग से शुरु करें। जिन जिलों में धान की कटनी पहले हो जाती है वहां धान अधिप्राप्ति पहले शुरु करें।

- अनुमानित उपज के आधार पर धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य जिलावार निर्धारित करें।

- बिहार में उसना चावल की ज्यादा मांग है। उसना चावल मिलों की संख्या बढ़ाने को लेकर काम करें।

पटना, 01 सितम्बर 2021 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से खरीफ विपणन वर्ष 2021–22 के अंतर्गत धान अधिप्राप्ति हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा की।

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव श्री विनय कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से खरीफ विपणन वर्ष 2021–22 के अंतर्गत धान अधिप्राप्ति हेतु की जा रही तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य, अधिप्राप्ति के लक्ष्य, अवधि के साथ–साथ इससे संबंधित अन्य बिंदुओं की जानकारी दी। सहकारिता विभाग की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयसी ने भी धान अधिप्राप्ति को लेकर अपने विभाग से संबंधित तैयारियों, पैक्सों की क्रियाशीलता, भंडारण क्षमता, शिकायतों के त्वरित निपटारे एवं अन्य बिन्दुओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि धान अधिप्राप्ति का कार्य ससमय शुरु होने से अधिक से अधिक धान की अधिप्राप्ति होगी और किसानों को इसका फायदा होगा। इस बार

जो लक्ष्य निर्धारित करें उसका जिलावार, क्षेत्र के अनुसार वास्तविक आकलन करा लें, क्योंकि हर क्षेत्र की अलग–अलग उत्पादन क्षमता है। बाढ़ को देखते हुए जिलावार धान की खेती का सही आंकलन कर लें। बिहार में ज्यादातर लोग उसना चावल की मांग करते हैं, उसना चावल मिलों की संख्या बढ़ाने को लेकर काम करें। उसना चावल के साथ–साथ अरवा चावल की भी तैयारी रखें। उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति को लेकर सहकारिता विभाग, कृषि विभाग एवं खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण तीनों एक साथ सर्वेक्षण कराकर सभी चीजों के वास्तविक आकलन कर काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धान अधिप्राप्ति की शुरुआत अलग–अलग जिलों में चरणबद्ध ढंग से शुरु करें। जिन जिलों में धान की कटनी पहले हो जाती है वहां धान अधिप्राप्ति पहले शुरु करें। अनुमानित उपज के आधार पर धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य जिलावार निर्धारित करें।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि मंत्री श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेशी सिंह, मुख्य सचिव श्री त्रिपुरारी शरण, विकास आयुक्त श्री आमिर सुबहानी, कृषि विभाग के सचिव श्री एन0 सरवन कुमार, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव श्री विनय कुमार एवं सहकारिता विभाग की सचिव श्रीमती बंदना प्रेयसी जुड़ी हुई थी।

******